Course Title: हिंदी काव्य
बी.ए. प्रथम वर्ष
सेमेस्टर - प्रथम
Course Code: UHIND102
Credit value: 6

Total Marks: 60 Min. Passing Marks: 24

पूर्वापेक्षा (Prerequisite) (यदि कोई हो) – इस कोर्स का अध्ययन करने के लिए , विद्यार्थी ने किसी भी विषय से कक्षा 12 वीं प्रमाण पत्र / डिप्लोमा किया हो , पात्र हैं ।

पाठ्यक्रम अध्यन की परिलब्धियां (कोर्स लर्निंग आउट कम) (CLO):-

1- इस पाठ्यक्रम के अध्ययन से विद्यार्थी हिन्दी काव्य की सुदीर्घ परम्परा से परिचित होंगे ।

2 – प्रसिद्ध रचनाओं के अध्ययन से देश की सामाजिक , सांस्कृतिक एवं राष्ट्रीय पृष्ठभूमि से सुविज्ञ होंगे।

3 –विद्यार्थियों के व्यक्तित्व का विकास होगा , उनकी जीवन दृष्टि का विस्तार होगा जिससे वह जीवन एवं जीवन मूल्यों को समझने में सक्षम होंगे।

4 –रचनात्मक कौशल में दक्षता होगी जिससे उन्हें रोजगार की अनेक सभावनायें मिलेगी।

इकाई -1:-**भारतीय ज्ञान परंपरा के अंतर्गत हिंदी साहित्य के इतिहास की पृष्ठभूमि एवं मुख्य कवि**

1-हिंदी साहित्य के इतिहास की पृष्ठभूमि, काल विभाजन एवं नामकरण, आदिकाल की सामाजिक एवं सांस्कृतिक पृष्ठभूमि, आदिकालीन काव्यधाराएं एवं प्रवृत्तियां, आदिकालीन कवि, **मुख्यकवि :-गोरखनाथ** (व्याख्या एवं समीक्षा) गोरखवानी सब्जी-----पद संख्या 2, 4, 7 ,8 ,16,राग सामग्री पद 10,11,**चंद्रबरदाई** (व्याख्या एवं समीक्षा) **पृथ्वीराजरासो** कन्वर्जासमय कविता 144, 145 ,146,**विद्यापति** (व्याख्या एवं समीक्षा) पदावली पद संख्या 1, 49, 54, 55, 58, |

इकाई 2 :- भक्तिकाल एवं प्रमुख कवि भक्ति आंदोलन सामाजिक सांस्कृतिक पृष्ठभूमि, काव्यधारा एवं प्रवृत्तियां, मुख्य निर्गुण एवं सगुण कवि भक्ति काल की प्रवृतियां, मुख्य कवि निर्गुण मारगी, **कबीरदास** (व्याख्या एवं समीक्षा) साखी गुरुदेव को अंग 1, 5 ,7,11,13, विरह को अंग 4, 10, 12 | , 20,पद दुल्हनी गावो मंगलाचार, पंडितबाद बंद थे झूठा, लोकामती के भोरारे,बोलो भाई राम की दुहाई, **मलिक मोहम्मद जायसी** (व्याख्या एवं समीक्षा) मान सरोवर खंड पद संख्या 1 से 30, प्रमुखक विसगुणमार्गी, **सूरदास** (व्याख्या एवं समीक्षा) पद संख्या 21, 25 ,23 , 85,

P.K.University

गोस्वामी तुलसीदास (व्याख्या एवं समीक्षा) अयोध्याकांड, मांगी ना वन केवट आना | कई तुम्हारा मर मऊ में जाना | | से विदा की करुणा करण भगति विमल विरुद्ध (102 दोहे तक) .

इकाई 3 रीतिकाल की पृष्ठभूमि एवं मुख्य कवि, रीतिकालीन काल की सामाजिक सांस्कृतिक पृष्ठभूमि, रीतिकालीन साहित्य के प्रमुख रीति सिद्ध रीतिबद्ध एवं रीतिमुक्त, रीतिकाल की प्रवृत्तियां, प्रमुख कवि, **बिहारी (** व्याख्या एवं समीक्षा):- दोहाक्रम 1, 16, 18, 20 ,21, 25, 27, 28, 37, 46, **भूषण** (व्याख्या एवं समीक्षा)शिवा बावनी पद संख्या 4, 25 ,26 ,छत्रसाल दशक पद संख्या 1,7,|

इकाई 4 : - आधुनिक काल की पृष्ठभूमि एवं मुख्यकवि, आधुनिक काल की सामाजिक, राजनैतिक पृष्ठभूमि, पुनर्जागरण काल, हिंदी नवजागरण काल एवं प्रवृत्तियां, भारतेंदु युग साहित्य एवं प्रवृत्तियां, दिवेदी युग साहित्य एवं प्रवृत्तियां, छायावाद युगीन साहित्य एवं प्रवृत्तियां, **मुख्य कवि भारतेंदु हरिश्चंद्र** :- (व्याख्या एवं समीक्षा) हिंदी भाषा निजभाषा उन्नति अहै, सब उन्नति को मूल, (10 दोहे) **अयोध्या सिंह उपाध्याय हरिऔध :-**(व्याख्या एवं समीक्षा) काव्य-एक बूंद, मीठी बोली, **जयशंकर प्रसाद : -(**व्याख्या एवं समीक्षा) कामायनी के श्रद्धा सर्ग से,"प्रकृति के यवन का श्रंगार करेंगे कभी ना बासीफुल " - - - से खींची आवेगी शक्ल समृद्धि" तक का | **सूर्यकांत त्रिपाठी निराला** : -(व्याख्या एवं समीक्षा) जागो फिर एक बार भाग दो, वह तोड़ती पत्थर , | **महादेवी वर्मा** :- (व्याख्या एवं समीक्षा) मैं नीर भरी दुख की बदली , बीन भी हूं मैं तो तुम्हारी, रागिनी भी हूं |

इकाई 5 : - एक : -छायावादोत्तर काव्य धाराएं एवं मुख्यकवि, उत्तर छायावाद की विविध वैचारिक प्रवृतियां, प्रगतिवाद साहित्य एवं प्रवृत्तियां, प्रयोगवाद साहित्य एवं प्रवृत्तियां, प्रयोगवाद साहित्य एवं प्रवृत्तियां नई कविता समकालीन कविता प्रमुख प्रवृत्तियां | **मुख्य कवि अज्ञेय** :-(व्याख्या एवं समीक्षा) नदी के द्वीप, यह दीप अकेला, | **गजानन माधव मुक्तिबोध** (व्याख्या एवं समीक्षा)मैं तुम लोगों से दूर हूं ,भूल गलती, **नागार्जुन** :-(व्याख्या एवं समीक्षा) अकाल और उसके बाद, बादल को घिरते देखा है, **धूमिल : -** (व्याख्या एवं समीक्षा) रोटी और संसद, 20 साल बाद, अभ्यास काव्य पाठ, सस्वर, सुलेखन, शुद्ध वाचन |

P.K.University

Sharma Sir